पुस्तकालय

2393
2/7/03

असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

- 1 JUL 2003

(भाग 1—कार्यवाही—प्रश्नोत्तर)

वि० स० मु० (एस० ए०) 173—मोनो—500—16-12-2002—

बिहार विधान सभा (1) मंगलवार, तिथि -- 1 जुलाई, 2003 ई0

एकादश-सत्र

(कार्यवाही प्रारम्भ होने का समय-11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

प्रश्नोत्तर-काल

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है । उपेन्द्रजी, आप समता दल के नेता हैं, आपको इस बात की जानकारी है कि किस समय कौन बात उठायी जाती है । अभी प्रश्नोत्तर काल है । कृपया बैठ जायं ।

श्री उपेन्द्र प्रसाद सिंह : आपकी अनुमति से तो कभी भी उठाया जा सकता है ।

अध्यक्ष : अनुमति हमने नहीं न दी है । बैठिये । नेता महोदय, बैठिये । मैं समय पर आपको पुकार दूंगा । अल्पसूचित प्रश्न सं0- क-2.

अल्पसूचित प्रश्न सं0-(क-2) - 10

श्री उमाधर प्रसाद सिंह : उत्तर कहाँ है ?

अध्यक्ष : उत्तर संलग्न है । सबों को भेजा गया है । सर्कुलेटेड है । यह देखिये, काले घेरे में सर्कुलेटेड है ।

उमाधर बाबू, भिजवा दिया है आपको । पूछिये ।

श्री उमाधर प्रसाद सिंह : उस दिन पूछा जा चुका था, उसका जवाब आज भी नहीं है ।

अध्यक्ष : जवाब तो है ।

श्री उमाधर प्रसाद सिंह : उसी जवाब के आधार पर कह रहा हूं । इसमें भी वह जवाब नहीं है। जवाब था कि 35 हजार केन्द्रों की स्थापना करनी थी, इसको 1,08,775 शिक्षकों की नियुक्ति करनी थी, अबतक कितने केन्द्रों की स्थापना की और कितने शिक्षकों की नियुक्ति की, उसका जवाब आज भी नहीं है ।

श्री रामचंद्र पूर्वे (मंत्री) : महोदय, उस दिन माननीय सदस्यों का यह था कि साक्षरता केन्द्र पूरे राज्य में कितने हैं, उसकी सूची दी जाय । साक्षरता केन्द्र के संबंध में सूची संलग्न है, जिलावाईज सूची इसमें रख दी गयी है, 891668 है । यह कन्फ्यूजन हो रहा है, साक्षरता केन्द्र और एजुकेशन गारंटी स्कीम के तहत जो शिक्षा केन्द्र हैं, 15 से 35 आयु वर्ग के जो व्यस्क हैं, उनको साक्षर बनाने का कार्यक्रम सम्पूर्ण साक्षरता अभियान के तहत चल रहा है, जो सभी 37 जिलों में संचालित है । इसके लिये महोदय, केन्द्र खोले जाते हैं और केन्द्रों की सूची दी गयी है । इसमें कोई स्वयं सेवी शिक्षक होते हैं, जिनको वी0 टी0 कहते हैं, उनका चयन गांव के स्तर पर किया जाता है । उन शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिये मास्टर ट्रेनर होते हैं । सरकार की ओर से पुस्तक

और स्लेट की व्यवस्था की जाती है । केन्द्र जो हैं महोदय, वहां 15 से 35 आयु वर्ग के जो लोग हैं, उनको दूसरे वर्ग तक की शिक्षा दी जाती है यानी प्रतिदिन दो घंटे उनको पढ़ाया जाता है, यही उनकी व्यवस्था है ।

...क्रमशः...

(3)

टर्न-2/राजेश/1.7.2003

अल्प-सूचित प्रश्न संख्या:- 10 का पूरक

डा0रामचन्द्र पूर्वे (मंत्री) (क्रमश:- दूसरी व्यवस्था 6 से 14 वर्ष के आयु के लोगों को, जो हमारा संवैधानिक दायित्व भी है, इसके लिए हमारे यहाँ प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्था है और प्राथमिक विद्यालयों के अलावे जो हमारा अनकभर्ड एरियाहै, जहाँ 15 से 20 लड़के हो जाते हैं, एक किलोमीटर की दूरी में यदि स्कूल नहीं है तो वैसे इलाकों में भी एडुकेशन गारंटी स्कीम के तहत, वहाँ पर शिक्षा केन्द्र खोलने की व्यवस्था है, उस दिशा में भी सरकार ने कार्रवाई किया है।

तीसरा हमारा जो रेगुलर प्राईमरी स्कूल है, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि इसके लिए एक लाख शिक्षकों की आवश्यकता होगी। महोदय, हमने उसी दिन बतलाया था कि कार्यरत शिक्षक एक लाख 35 हजार 297, जिसमें से 34 हजार 459 शिक्षकों की नियुक्ति करना है, जिसमें से उर्दू शिक्षक 10 हजार 457 है।

(व्यवधान)

महोदय, जहाँ तक पंचायत शिक्षा मित्र का प्रश्न है, 9,563 शिक्षा मित्रों की इस माह के अंत तक नियुक्ति हो जायेगी जो 54 हजार 479 शिक्षकों की नियुक्ति का है, इसको पूरा कर लेगा और इससे पूरे राज्य में इस नियुक्ति के बाद 2 लाख 24 हजार 150 प्राथमिक शिक्षा एक से पाँच और एक से आठ की पढ़ाई में, जिसतरह की आवश्यकता होगी, 15 से 35 वर्ष के आयु को पढ़ाने के लिए संपूर्ण जिलों में संपूर्ण साक्षरता का कार्यक्रम चल रहा है और इसके 8 लाख 51 हजार 658 केन्द्र संचालित हैं, यही सम्प्रति व्यवस्था है।

श्री उमाधर प्रसाद सिंह:- महोदय, इन्होंने जो जवाब दिया है, अभी तक 5,489 शिक्षा केन्द्रों को स्वीकृति दिया है, इनका दावा है कि 180 शिक्षा केन्द्र चल रहे हैं तो महोदय ये दावा कर रहे हैं कि 180 केन्द्र चल रहे हैं, स्वीकृति इन्होंने दिया है 5,489, जबकि इनको स्थापित करना है एक लाख 35 हजार केन्द्रों को, जिसको स्थापित करना है एक किलोमीटर के अंदर में।

डा0रामचन्द्र पूर्वे (मंत्री):- महोदय, संपूर्ण साक्षरता अभियान के तहत जो साक्षरता केन्द्र खोलना है, उसके संदर्भ में, उसके संदर्भ में 8 लाख 51 हजार 658 साक्षरता केन्द्र खोला गया है। महोदय, बार-बार इसतरह का प्रश्न उठता है और मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि एडुकेशन गारंटी स्कीम के तहत जो शिक्षा केन्द्र हैं, प्रस्तावित केन्द्रों की संख्या- 13 हजार 848, वैसे जगहों पर केन्द्र खोला जायेगा, जहाँ पर एक किलोमीटर के बाहर कोई प्राथमिक विद्यालय नहीं हो। इन केन्द्रों में एक से 5 तक की पढ़ाई होगी, यहाँ पर लोक शिक्षा की व्यवस्था की गयी है, यहाँ पर अभी तक हमलोग

ने खोला है 5489 । अध्यक्ष महोदय, एक डिमांड गाँव के लोगों से इसतरह का मांग किया जाता है, क्योंकि सरकार को ओर से जब कोई बिल्डिंग बनाने को व्यवस्था न हो तो इसतरह को मांग गाँव के लोगों के द्वारा को जाती है, क्योंकि गाँव में भी लोगों को शिक्षा के प्रति भूख पैदा है, उनके द्वारा इसतरह का मांग किया जाता है कि हमारे गाँव-टोले में कोई विधालय नहीं है, इसलिए हमलोगों के टोला में भी पढ़ाई को व्यवस्था को जाय और इसे गाँव के लोगों के द्वारा, मांग पत्रों के द्वारा मांग करते हैं और मांग करने के बाद वहाँ पर स्वीकृति को जाती है । इसलिए अध्यक्ष महोदय, मांग पत्रों के हिसाब से 9064 जगहों के लिए मांग को गयी है, उसके तहत 5849 खोला है, दो अक्तूबर महात्मा गाँधी के जन्म शताब्दी पर हम 13840 जगहों पर एडुकेशन गारंटी स्कीम के तहत शिक्षा केन्द्र खोला जायेगा, लोक शिक्षा को सुनिश्चित कर दिया जायेगा और इसमें प्राईमरी शिक्षा एक से पाँच तक दिया जायेगा ।

धन्यवाद:

अल्प-सूचित प्रश्न संख्या - [शिक्षा पूरक] ।

श्री राम चन्द्र पूर्वे ‡ मंत्री ‡ ‡क्रमशः ‡: और बिहार में कोई भी क्षेत्र प्राईमरी ऐडुकेशन के नेटवर्क से अनकवर्ड नहीं रहेगा ।

श्री उमाधर प्रसाद सिंह: महोदय, इन्होंने सभी जिले को राशि उपलब्ध करा दिया था तो राशि कब उपलब्ध करायी गयी और राशि उपलब्ध कराने के बाद क्या प्रगति है ?

श्री राम चन्द्र पूर्वे ‡ मंत्री ‡: यह दूसरा प्रश्न है । यह ऐडुकेशन गारंटी से संबंधित है ।

श्री सुशील कुमार मोदी, नेता विरोधी दल: मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि मंत्री जी कितना गलतबयानी करते हैं । सात दिन में कितनी गलतबयानी हुई । 24 तारीख को बयान आया जिसमें उन्होंने कहा कि 38,000 शिक्षा मित्र की बहाली हो चुकी है । टेप निकालकर देख लीजिये । राज्य में 38,000 की बहाली होनी है और आज कह रहे हैं कि राज्य में 34,427 शिक्षा मित्र नियोजित किये गये हैं । कहां 38,000 और कहां 34,427 ? 38,000 से 34,427 पर पहुंच गये ।

दूसरा शिक्षा गारंटी केन्द्र है । इसके बारे में मार्च माह में मंत्री महोदय ने कहा कि 13,000 शिक्षा केन्द्र खोल दिये जायेंगे । अभी 9,064 शिक्षा केन्द्र हैं और उनको 5,489 की स्वीकृति मिली है जिसके लिए पंचायतों द्वारा चयन, नियोजन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है । केवल 5,489 शिक्षा केन्द्र की स्वीकृति मिली है । दूसरी बात है कि माननीय मंत्री कह रहे हैं कि 34,000 सामान्य शिक्षक और 10,000 उर्दू शिक्षक... ।

‡ व्यवधान ‡

श्री सुशील कुमार मोदी, नेता विरोधी दल: 34,000 सामान्य शिक्षक और 10,000 उर्दू शिक्षक की बहाली के बारे में दो साल से कवायद कर रहे हैं । अभी सदन में रख रहे हैं कि राष्ट्रीय उत्पादक शिक्षा परिषद के अनुरूप एक संशोधन किया जायेगा । यह गलतबयानी है । क्या विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव को स्वीकृत करेंगे ?

श्री राम चन्द्र पूर्वे ‡ मंत्री ‡: 38,000 नहीं लगभग 35,000 है । उसी दिन करेक्शन कर दिया है । दूसरी बात है कि मोदी जी को कोई मैटर नहीं मिलता है तो घुमा-फिराकर कुछ कहते रहते हैं । इनसे हमारा सामाजिक रिश्ता और पौलीटिकल रिश्ता भी है ।

अल्प सूचित संख्या-10 पर पूरक -- प्रश्न:

श्री नन्द किशोर प्र०सिन्हा- माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह बात सही है कि वर्ष 2001 की जनगणना में पूरेदेश में 3करोड़ निरक्षरों की संख्या घटी है। एक मात्र राज्य बिहार है जहां 39लाख निरक्षर की संख्या बढ़ी है जबकि 1990 में आँपरेशन ब्लैक बोर्ड, बिहार शिक्षा परियोजना में कम से कम 4,000 करोड़ रूपये खर्च हुये है।

अध्यक्ष- क्या यह बात सही है कि 39लाख निरक्षरों की संख्या बढ़ी है ?

डा० राम चन्द्रपूर्वे (मंत्री)- महोदय, 1980 से 1990 तक के बीच साक्षरता का जो दर था वह 5 प्रतिशत बढ़ी थी और 1990 से 2000 तक 10 प्रतिशत बढ़ी है। अध्यक्ष महोदय, सारी योजनाओं के द्वारा गति को त्वरित कियाहै और त्वरित गतिके द्वारा राज्य में जितने भी निरक्षर हैं उनको साक्षर करने की योजना है।

अध्यक्ष- बात समझ में आ गई।

अल्प सूचित प्रश्न संख्या- 30

श्री अवध बिहारी चौधरी (मंत्री)- अध्यक्ष महोदय, खंड-1 उत्तर अस्वीकारात्मक है। पटना से दानापुर से महेन्द्रु घाट तक बालू के टीला से जल परिवहन में किसी प्रकार का अवरोध नहीं उत्पन्न हुआ है क्योंकि पटना से दूर होकर अब गंगा नदी की जो धारा बह रही है उस नदी जलमार्ग में अभी जलयान चलाने योग्य 2 मीटर गहराई में पानी उपलब्ध है।

2- उत्तर अस्वीकारात्मक है।

केन्द्र सरकार द्वारा इन योजनाओं के लिए कोई राशि राज्य सरकार के परिवहन विभाग को उपलब्ध नहीं कराई गई है। पटना केगायघाट